एक शांतिपूर्ण, खुशहाल, आत्मनिर्भर आधुनिक नेपाल बनाने की हमारी अपील !,
भेदभाव, बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए 'हाथ मिलाए' निशान पर वोट करें !!

राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी

(RASTRIYA JANAMUKTI PARTY)

चुनाव निशान 'हाथ मिलाए'

प्रतिनिधि सभाको निर्वाचन - २०८२

नागरिक संबोधन-पत्र (हिन्दी भाषा)

राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी

केन्द्रीय प्रकाशन विभाग

janamukti48@gmail.com

Facebook.com/janamukti, Twitter.com/janamukti

www.facebook.com/Rastiya Janamukti Party

www.janamukti.org

आदरणीय माता-पिता, भाइयों और बहनों!

राष्ट्रिय जन्मुक्ति पार्टी हर नेपाली २१ फाल्गुन २०८२ को होने वाले प्रतिनिधि सभा के चुनाव के बारे में अपनी नागरिक चेतना और ज़िम्मेदारी पूरी करने आया है। राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी की ओर से, जो ३६ साल पहले नेपाल को आधुनिक राष्ट्रीय एकता के सिद्धांतों से बंधा एक शांतिपूर्ण, खुशहाल, आत्मनिर्भर और काबिल देश बनाने के विज़न के साथ बनी थी, हम इस चुनाव के लिए यह नागरिक संबोधन एक चुनावी घोषणापत्र के तौर पर लाए हैं। हम आपसे यह भी उम्मीद करते हैं और अपील करते हैं कि आप अपनी नागरिक चेतना का इस्तेमाल करें और सही फ़ैसले लें।

१) देश कब खुशहाल बनेगा?

किसी भी देश के खुशहाल होने के लिए सबसे ज़रूरी शर्त है देश की एकता और भरोसा। क्योंकि नेपाल एक ऐसा देश है जहाँ कई जातियों, कई भाषाओं, कई संस्कृतियों और कई धर्मों की पहचान है, इसलिए "सबके लिए सबका विकास" की सोच वाली सरकार की ज़रूरत है। हम एक ऐसे संघीय लोकतान्त्रिक मा'डल के लिए प्रतिबध्द हैं जो इस शर्त को पूरा करे।

२) क्या अभी का संघीय मा'डल सही है?

नेपाल में विकास, खुशहाली और देश की एकता के लिए जो पार्टी राजनीतिक प्रस्ताव लाती है, वह राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी है। संघीयता के असली समर्थक और हिमायती होने के नाते, हम कहते हैं कि संविधान-२०७२ में अपनाया गया संघीय मा'डल गलत है। यानी, यह देश की उम्मीदों को पूरा नहीं कर पाया है। दस साल के अनुभव से भी यह बात साबित हुई है। इसलिए, एक शक्तिशाली राज्य पुनर्संरचना आयोग बनाया जाना चाहिए और उसके बताए संघीय मा'डल को अपनाया जाना चाहिए। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं।

३) क्या प्रत्यक्ष निर्वाचित कार्यकारी ज'रूरी है?

नेपाल एक ऐसा देश है जहाँ कई लोगों का समाज है। इसलिए, क्लस्टर-बेस्ड राष्ट्रपति उस सिस्टम से जूयादा सही होगी जहाँ सेंट्रल लेवल पर एक ही व्यक्ति राष्ट्रपति होता है, जिसे पार्लियामेंट चुनेगी। एक ऐसा सिस्टम जहाँ कार्यकारी (प्रधानमंत्री) सीधे चुने जाते हैं, और कैबिनेट सांसद और गैरसांसद से बनाई जा सकती है, सही होगा। इसी तरह, प्रदेश लेवल पर भी मुख्यमन्त्री को सीधे चुनना सही होगा। हम इससे सहमत हैं और इसके लिए प्रतिबध्द हैं।

४) भ्रष्टाचार कैसे खत्म करें?

हम सभी इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि नेपाल में कुशासन, गरीबी, बेरोजगारी, निर्भरता और नागरिकों के पलायन की जड़ भ्रष्टाचार है। हालाँकि, एक गंभीर स्थिति है जहाँ भ्रष्टाचार बढ़ रहा है और संस्थागत होता जा रहा है। इसे खत्म करने के लिए, भ्रष्टाचार के खिलाफ एक पक्की राष्ट्रिय नीति के साथ कडे. कदम उठाना जरू री है। अपनी शुरुआत से ही, राष्ट्रिय मुक्ति पार्टी जिसने भ्रष्टाचार को

कंट्रोल करने के बजाय उसे खत्म करने वाली राष्ट्रिय नीति लागू करने का पक्का इरादा किया है, और जो २०७६ से भ्रष्टाचार के खिलाफ नेशनल कैंपेन चला रही है, सार्वजनिक स्तर पर यह ऐलान करती रही है कि वह अपने राज के ५ साल के अंदर देश को भ्रष्टाचार-फ्री बना देगी। हम अब तक के सभी भ्रष्टाचार केस सुलझाने, भ्रष्ट लोगों को देशद्रोही घोषित करने और उनकी सम्पत्ति को राष्ट्रियकरण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

५) देश का औद्योगिकीकरण कैसे मुमकिन है?

हमने नेपाल को औद्योगिकीकरण के दौर में ले जाने की अपनी इच्छा और ऐलान ज़ाहिर किया है। लेकिन हमारे पास औद्योगिकीकरण का अपना मौलिक मा'डल होगा। हमारी पहली प्राथमिकता नेपाल में मौजूद कच्चा पदार्थ पर आधारित उद्योग का विकास होगा। निर्यातमुखी उद्योग इंडस्ट्री के लिए लगानी प्रोत्साहन और सुरक्षा पक्की की जाएगी। ऐसे मामलों में जहां कच्चा पदार्थ आयात करना पड़ता है लेकिन देश की ज़रूरतों को पूरा करने वाला सामग्री बनता है, वहां हाई भन्सार सुविधा दी जाएंगी। हम आत्मनिर्भर और निर्यातमुखी औद्योगिक विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

६) लगानी व्यवस्था और वैदेशिक ऋण के बारे में क्या नीति अपनाई जानी चाहिए?

नेपाल में सभी क्षेत्र में लगानी और खर्च के लिए विदेशी ऋण लेने का चलन देश को एक गंभीर संकट की ओर धकेल रहा है। अब से, बेकार काम या खर्च के मकसद से विदेशी ऋण लेने को रोका जाएगा। हम एक तीन-तरफ़ा आर्थिक प्रणाली मा'डल लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिसमें सरकार, उद्यमी और नागरिकों का उत्पादनशील वा प्रतिफल देने वाले प्रोजेक्ट के लिए बराबर लगानी हो।

७) रोजगार और रेमिटेंस के बारे में क्या किया जाना चाहिए?

रोज़गार के लिए घरेलू और विदेशी विकल्प एक जैसे विकास किए जाएंगे। विदेशी रोज़गार की शर्तें ऐसी होंगी जिनसे कामदार की काम करने की क्षमता, आत्म-सम्मान और ब्यक्तिगत सुरक्षा पक्की हो। इसके लिए राज्य को जिम्मेदार ठहराने का व्यवस्था होगा। कर चोरी, लालच या धोखे की आड़ में लोगों को विदेशी रोज़गार के लिए ले जाने को एक बड़ा जुर्म घोषित करने और उसके हिसाब से सज़ा देने का व्यवस्था होगा। देश के सिर्जनशिल विकास में रेमिटेंस को जोड़ने के लिए एक बहुआयामिक नीति अपनाई जाएगी। हम नेपाली नागरिकों को दुनिया में कहीं भी अपनी आत्म-सम्मान खोने और असुरक्षित और गलत हालात में रहने से रोकने के लिए प्रतिबध्द हैं।

८) नागरिकता की निरन्तरता क्या होगी?

नेपाली नागरिकता बनी रहनी चाहिए, चाहे वे किसी भी देश में रहते हों। किसी भी नेपाली को उसकी नागरिकता से तब तक दूर नहीं किया जाना चाहिए जब तक वे अपनी मर्ज़ी से अपनी नागरिकता न छोड़ दें। हम वंश के आधार पर नेपाली नागरिकता का अधिकार पक्का करने के लिए प्रतिबध्द हैं।

९) क्या संविधान को फिर से लिखना ज॰रूरी है या नहीं?

नेपाल के संविधान-२०७२ में ज़रूर कई कमियाँ हैं। लेकिन संविधान को खत्म करना या दूसरे अंतरिम संविधान की तलाश करना कोई सुरक्षित राष्ट्रीय मंज़िल नहीं है। यह पक्का है कि सिर्फ़ संवैधानिक प्रक्रिया में बदलाव करके इसका हल नहीं निकाला जा सकता। इसलिए, हम आपको यहाँ फिर से संविधान को फिर से लिखने के मुद्दे की याद दिलाना चाहेंगे, जिसे हमने संविधान लागू होने के बाद से ही उठाया है। संविधान को फिर से लिखना, संविधान से मिली कामयाबियों को मानने, कमियों को दूर करने और छूटे हुए ज़रूरी एजेंडे को शामिल करने का राजनीतिक तरीका है, जिससे संविधान राष्ट्रीय एकता का दस्तावेज़ बन जाता है। हम साफ़ हैं कि हम इसके लिए राष्ट्रीय राजनीतिक आम सहमति के आधार पर आगे बढ़ सकते हैं, और हम यह भी वादा करना चाहेंगे कि हम इस बारे में ईमानदारी से कोशिश करेंगे।

१०) हमारा वादा:

ये मुख्य मुद्दे हैं जिन्हें राष्ट्रीय जनमुक्ति पार्टी प्रतिनिधि सभा निर्वाचन-२०८२ के संदर्भ में नेपाली नागरिकों से बातचीत करना चाहती है। राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी एक ज़िम्मेदार और अनुभवी राजनैतिक पार्टी है जो २०४७ में अपनी स्थापना और २०४८ में पहले संसदीय निर्वाचन के बाद से लोकतान्त्रिक तरीकों के लिए प्रतिबद्ध रही है, और हर चुनाव में जनता के सामने अपना मैनिफेस्टो पेश करती रही है। इस चुनाव में, हम राष्ट्रिय जनमुक्ति पार्टी द्वारा पिछले सभी राष्ट्रिय चुनावों (खासकर २०७९ में प्रतिनिधिसभा चुनाव के घोषणापत्र) में जनता के सामने पेश किए गए घोषणापत्र में बताए गए अपने प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित करना चाहते हैं। फिर से, हम इस सिटिज़न एड्रेस के ज़रिए पेश किए गए राष्ट्रिय एजंडे। पर हमारे नज़रिए के हिसाब से खुली बहस, चर्चा, बातचीत, मैसेज फैलाने और अपनी नागरिक ज़िम्मेदारियों को पूरा करने की ज़ोरदार अपील करते हैं। अगर नेपाली नागरिक मौजूदा चुनाव में 'हाथ मिलाए' के निशान के साथ वोट करते हैं, तो हम हाउस और सरकार में और ज़रूरत पड़ने पर सड़कों पर भी नागरिकों के सच्चे गार्डियन के तौर पर खुद को मज़बूती से आगे बढ़ाने का अपना प्रतिबद्धता भी दिखाते हैं।

२०८२ माघ १६ (शहीद दिवस)।

टोप अस्लामी
(महासचिव)

केशव सूर्यवंशी
(अध्यक्ष)

मुद्रणः शुलभ अफसेट प्रेस, बुटवल # 9846128184